मातृ सदन

जगजीतपुर, कनखल, हरिद्वार
उत्तराखण्ड (भारत) 249408
फोन - 0091-1334-246241
फैक्स- 0091-1334-245333

Matri Sadan

Jagjeetpur, Kankhal, Hardwar
Uttarakhand (INDIA) -249408
E-mail: matrisadan@yahoo.com
matrisadan@hotmail.com
Website: www.matrisadan.org
www.matrisadan.wordpress.com

Branch Off.-MATRI SADAN Rishiganga Charanpaduka Marg, Narayan Parvat, Badrinath, Chamoli, Uttarakhand-246422,

O/C

Ref No. : MS/2K19/Hdr/117

Date : 04-12-2019...

सेवा में,

श्री नरेन्द्र मोदी जी
प्रधान मंत्री, भारत सरकार।

विषय: आपके द्वारा दिए गए लिखित और मौखिक आशवासन के उपरांत भी अभी तक उसकी पूर्ति न होने और इस सम्बन्ध में अनेक संस्थाओं द्वारा क्रियान्वन हेतु बाधा उपस्थित करने से क्षुब्ध मातृ सदन की साध्वी पद्मावती द्वारा १५ दिसम्बर २०१९ से तपस्या की घोषणा

मातृ सदन एक दिव्य आध्यात्मिक संस्था है जो भ्रष्टाचार उन्मूलन एवं पर्यावरण सरंक्षण को कृत संकल्प है| ज्ञात हो कि वर्ष 2018 में स्वामी ज्ञानस्वरूप सानंद कतिपय मांगों को लेकर १११ दिनों की तपस्या के उपरान्त रहस्यमय ढंग से बलिदान को प्राप्त हुए थे | इससे पूर्व वर्ष 2011 में स्वामी निगमानंद सरस्वती जी की भी हत्या हरिद्वार के खनन माफियाओं के द्वारा, हरिद्वार के ही सरकारी तंत्रों को मिला करहुई| सानंद जी की मांगो को लेकर ब्रहमचारी आत्म्बोधानंद जी की 194 दिन की तपस्या हुई| ब्रह्मचारी आत्म्बोधानंद की तपस्या का विराम कुछ लिखित और मौखिक आश्वासन पर हुआ, ऐसा बताया गया कि ये सब प्रधान मंत्रीजी के संज्ञान में हो रहा है|

आपकी गरिमा और गंगा जी में आपकी निष्ठा को समक्ष रखते हुए, हमने विश्वास किया | आपको अनेक पत्र लिखे गए जिस पर आपके कार्यालय से 'जल शक्ति मंत्रालय' को मातृ सदन को दिए गए लिखित और मौखिक आश्वासनों पर कार्यवाही करने को कहा गया|परन्तु उस पर कुछ थोड़े अंश में ही कार्यवाही की

पद्मावती

Scanned by CamScanner

गयी अधिकांश को छोड़ दिया गया। जितने अंश पर कार्यवाही हुई उस पर आपके MOEF और NGT के भ्रष्ट न्यायाधीश श्री राघवेन्द्र राठौर जी के द्वारा अतिक्रमण करने की चेष्टा की जा रही है। इधर हमारे परम पूज्य श्री गुरुदेव स्वामी शिवानन्द जी को मरवाने के लिए श्री सेंथिल अबुदई किशनराज जैसे भ्रष्ट IPS को नियुक्त किया गया है | इस सम्बन्ध में मातृ सदन के पत्रों का कोई संज्ञान नहीं लिया जा रहा। गंगा के लिए अनेक बलिदान हो चुके हैं | इस सम्बन्ध में UNO ने अपनी वेबसाइट पर भी दो बलिदानों का जिक्र कर आपसे आग्रह किया है कि और बलिदान हम नहीं देखना नहीं चाहते है। ("UN Environment does not wish to see more environmental defenders die in an effort to clean up the Ganga" notes the organization. "We urge Modi and his Government to enact all activities and follow up all promises to bring back life and health to this sacred river")

उत्तराखण्ड हाई कोर्ट ने गंगा और जमुना को लिविंग एंटिटी का दर्जा दिया था किन्तु उत्तराखण्ड सरकार ने उसे स्टे नहीं करवाने का आश्वासन देते हुए भी स्टे करवा दिया | यदि गंगा जी को लिविंग एंटिटी का दर्जा मिल जाता तो उसकी ऐसी दुर्दशा नहीं होती। इस बीच जिस एक्ट को सानंद जी ने पूर्णत: रिजेक्ट कर दिया था उसी एक्ट को बिना पब्लिक डोमेन में चर्चा कराये पार्लियामेंट से पास कराने की चेष्टा की जा रही है।

मैं, साध्वी पद्मावती, अपने अनेक गुरु भाइयों के बलिदान से मर्माहत हूँ और गंगा जी की दुर्दशा देख कर मैंने अपने समस्त गुरु भाइयों और गुरु बहनों से अनुरोध किया कि इस बार हमें गंगा जी की रक्षा के लिए तपस्या करने दें। यह घोषणा स्वामी निगमानंद जी की पुण्यतिथि के कार्यक्रम में १६ जून २०१९ को ही की थी, जिसकी सूचना आप सहित अन्य को भी प्रेषित कर दी गयी थी।

इस सम्बन्ध में मातृ सदन ने एक पत्र संख्या MS/2K19/Hdr/114 दिनांक 22/11/2019 आप को दिया था जिसमे 10 दिन का समय दिया था कि यदि इस समय तक कार्यवाही नहीं हुई तो अनशन शुरू होगा। ऐसा नहीं होने की दशा में मैं साध्वी पद्मावती १५ दिसंबर २०१९ से निम्नलिखित मांगों को लेकर सत्याग्रह की घोषणा करती हूँ: पद्मावती

Scanned by CamScanner

1. गंगा जी पर प्रस्तावित और निर्माणाधीन समस्त बांधों को निरस्त किया जाए विशेषकर सिंगोली भटवारी, फाटा ब्युंग, तपोवन विष्णुगाड, विष्णुगाड पीपल कोठी को तत्काल निरस्त किया जाए |
2. बने हुए बांधो से IIT consortium के recommendation के अनुसार eflow दिया जाए और ये नियम हरिद्वार के भीमगोड़ा और नरोरा आदि बांधो पर भी हो लागू हो|
3. गंगा पर खनन सम्बन्धी NMCG के आदेश का अक्षरशः पालन किया जाए और इसके लिए नोटिफिकेशन जारी हो ताकि भ्रष्ट नेता और अधिकारी कालांतर में इसके साथ छेडछाड न कर सकें |
4. गंगा के एक्ट के लिए एक विस्तृत चर्चा हो जिसमे मातृ सदन एवं अन्य गंगा समर्पित संस्था भी सम्मिलित रहें उसके बाद ही इसे पार्लियामेंट में भेजा जाए|
5. NGT के जज श्री राघवेन्द्र राठोर जी जो गंगा द्रोही के रूप में परिलक्षित हो रहे हैं, को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाये और इस सम्बन्ध में मातृ सदन के द्वारा प्रेषित समस्त पत्रों को संज्ञान में लेते हुए एक उच्च स्तरीय जांच बैठे|
6. हरिद्वार के एस एस पी श्री सेंथिल अबुदई किशन राज खुलेआम मातृ सदन के परम पूज्य श्रधेय श्री गुरुदेव स्वामी शिवानन्द जी को मरवाने के लिए मैदान में उतर गए हैं इन्हें कुछ उच्च राजनेता, माफिया और भ्रष्ट अधिकारियों का सरंक्षण प्राप्त है| इन्हें तत्काल निलंबित किया जाए एवं इन पर उच्च स्तरीय जांच बैठाया जाये|

सम्मान सहित।

भवदीया,

पद्मावती

(ब्रह्मचारिणी पद्मावती)

मातृ सदन, हरिद्वार।

Scanned by CamScanner